अंक-योजना

अत्यंत गोपनीय

(केवल आंतरिक और प्रतिबंधित उपयोग के लिए)

वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय प्रमाणपत्र परीक्षा**, 2025**

विषय-हिंदी (ऐच्छिक)

(प्रश्न-पत्र कोड **29/5**/1-3**)**

<u>सामान्य निर्देश:-</u>

1	आप जानते ही हैं कि परीक्षार्थियों के वास्तविक और सही मूल्यांकन में 'मूल्यांकन' सबसे महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी गलती भी गंभीर समस्याओं का कारण बन सकती है, जिसका प्रभाव परीक्षार्थियों के भविष्य**,** शिक्षा-प्रणाली और शिक्षण पर पड़ सकता है। आपसे अनुरोध है कि गलतियों से बचने के लिए मूल्यांकन शुरू करने से पहले 'मूल्यांकन दिशा-निर्देशों' को ध्यान से **अवश्य** पढ़ें, समझें और मूल्यांकन करते समय उनका पालन **अवश्य** करें।
2	"मूल्यांकन एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं**,** किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं की गोपनीयता से संबंधित है। किसी भी तरह से इसे सार्वजनिक करने से परीक्षा-प्रणाली पटरी से उतर सकती है और लाखों परीक्षार्थियों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकती है। इस नीति/दस्तावेज को किसी से भी साझा करना**,** किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट में छापना आदि बोर्ड और आईपीसी के विभिन्न नियमों के अंतर्गत कार्यवाही को आमंत्रित कर सकता है।"
3	मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया जाना चाहिए। इसे किसी की अपनी व्याख्या या किसी अन्य विचार के अनुसार नहीं किया जाना चाहिए। अंक-योजना का सख्ती से पूरी तरह पालन किया जाना चाहिए। मूल्यांकन करते समय**,** जो उत्तर नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित हैं**,** उनका सत्यता एवं प्रासंगिकता के आधार पर मूल्यांकन किया जाए। योग्यता-आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें और उचित अभिव्यक्ति पर उचित अंक दें।
4	अंक-योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझावात्मक बिंदु दिए गए हैं। ये केवल दिशा-निर्देश हैं।
5	प्रधान परीक्षक को पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता द्वारा मूल्यांकित पहली पाँच उत्तर पुस्तिकाओं का पुनरावलोकन अवश्य करना चाहिए, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया गया है। यदि मूल्यांकन में कोई भिन्नता है तो विचार-विमर्श और चर्चा के बाद उसे दूर किया जाना चाहिए। मूल्यांकन के लिए शेष उत्तर पुस्तिकाएँ यह सुनिश्चित करने के बाद ही दी जाएँ।

6	मूल्यांकनकर्त्ता उत्तर सही होने पर सही (✓) का निशान लगाएँ, गलत उत्तर के लिए क्रॉस (**X**) का निशान लगाएँ। मूल्यांकन करते समय सही (✓) का निशान नहीं लगाने पर भ्रम की स्थिति उत्पन्न होती है और यह आभास होता है कि उत्तर सही है और कोई अंक नहीं दिया गया।
7	यदि किसी प्रश्न में उपभाग हैं तो प्रत्येक उपभाग के लिए दाईं ओर बिना घेरा लगाए अंक दें। प्रश्न के विभिन्न उपभागों पर दिए गए अंकों को जोड़कर बाएं हाथ के हाशिए में प्रश्न संख्या के समीप लिखकर घेरा लगाएँ। इसका सख्ती से पालन किया जाना चाहिए।
8	यदि किसी प्रश्न में कोई उपभाग नहीं है, तो बाईं ओर हाशिये में प्रश्न संख्या के समीप अंक दिए जाने चाहिए और घेरा लगाया जाना चाहिए।
9	यदि किसी परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न का उत्तर लिखा है तो अधिक अंक पाने वाले प्रश्न के उत्तर को ही स्वीकार किया जाना चाहिए तथा अन्य उत्तर पर 'अतिरिक्त प्रश्न' लिखकर काट दिया जाना चाहिए।
10	वर्तनी सम्बन्धी एक ही अशुद्धि के लिए बार-बार अंक न काटा जाए।
11	अंकों के पूरे पैमाने 0 से 80 अंक का उपयोग किया जाए। यथोचित उत्तर पर पूरे अंक देने में संकोच न करें।
12	प्रत्येक परीक्षक को अनिवार्य रूप से पूरे कार्यसमय अर्थात प्रतिदिन 8 घंटे मूल्यांकन कार्य करना होगा तथा मुख्य विषयों में प्रतिदिन 20 उत्तर पुस्तिकाओं तथा अन्य विषयों में प्रतिदिन 25 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना होगा (विवरण दिशा-निर्देशों में दिया गया है)। यह पाठ्यक्रम में कमी तथा प्रश्न-पत्र में प्रश्नों की संख्या को ध्यान में रखते हुए किया गया है।
13	सुनिश्चित करें कि आप परीक्षक द्वारा अतीत में की गई निम्नलिखित सामान्य प्रकार की गलतियाँ न करें:- • उत्तर पुस्तिका में उत्तर या उपभाग को बिना मूल्यांकन के छोड़ देना • किसी उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक देना • उत्तर पर दिए गए अंकों का गलत योग • उत्तर पुस्तिका के अंदर के पृष्ठों से मुखपृष्ठ पर अंकों का गलत अंकन • मुखपृष्ठ पर प्रश्न के अनुसार अंकों का गलत योग • मुखपृष्ठ पर दो स्तंभों के अंकों का गलत योग • गलत कुल योग • शब्दों और अंकों में लिखे कुल योग का समान न होना • उत्तर पुस्तिका से ऑनलाइन अंकतालिका में अंकों का गलत अंकन • उत्तरों को सही के रूप में चिह्नित किया जाना लेकिन अंक न दिया जाना • उत्तर का आधा या एक हिस्सा सही और बाकी को गलत चिह्नित करना लेकिन कोई अंक न देना

14	उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन के समय यदि उत्तर पूर्णतः गलत पाया जाए तो उस पर क्रॉस (X) का निशान लगाकर शून्य (0) अंक दिया जाना चाहिए।
15	मूल्यांकन न किया गया कोई भी भाग, मुखपृष्ठ पर अंकन न होना या बाद में प्रकट हुई कोई भी त्रुटि मूल्यांकन कार्य में लगे सभी कर्मियों और बोर्ड की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचाएगी इसलिए सभी संबंधितों की प्रतिष्ठा को बनाए रखने के लिए यह फिर से दोहराया जाता है कि निर्देशों का सावधानीपूर्वक और विवेकपूर्ण तरीके से पालन किया जाना चाहिए।
16	परीक्षकों को वास्तविक मूल्यांकन शुरू करने से पहले मूल्यांकन के लिए दिए गए दिशानिर्देशों से परिचित होना चाहिए।
17	प्रत्येक परीक्षक यह भी सुनिश्चित करेगा कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन किया गया है, अंक मुखपृष्ठ पर अंकित किए गए हैं, अंकों का सही योग किया गया है तथा कुल योग को मुखपृष्ठ और लिखे गए अंतिम पृष्ठ पर अंकों और शब्दों में सही लिखा गया है।
18	परीक्षार्थी निर्धारित प्रोसेसिंग फीस का भुगतान करके अनुरोध पर उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने के हकदार हैं। सभी परीक्षकों/अतिरिक्त प्रधान परीक्षकों/प्रधान परीक्षकों को एक बार फिर याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि मूल्यांकन प्रत्येक उत्तर के लिए अंकयोजना में दिए गए मूल्य बिंदुओं के अनुसार सख्ती से किया गया है।

Series:5WXZY प्रश्न-पत्र कोड - **29/5/1,**2,3

अंक-योजना 2024-25

हिंदी (ऐच्छिक)

निर्धारित समय : *3* घण्टे अधिकतम अंक *: 80*

प्रश्न सं.	**प्रश्न-पत्र कोड**			**उत्तर-संकेत बिंदु**	**अंक**
				खंड - क **(अपठित बोध)**	**18**
	29/**5/1**	29/**5/2**	29/**5/3**		
1	**1**	**2**	**1**	अपठित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर:-	**10**
				(i) (B) भौतिक तरीका	1
				(ii) (C) ए.टी.एम.कार्ड की नकल बना मशीन से पैसे निकालना	1
				(iii)(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।	1
				(iv) तकनीक की मदद से मनोवैज्ञानिक भयादोहन (ब्लैकमेल) से लोगों को बंदी बनाकर उनसे पैसा ऐंठना	1
				(v) ● व्यक्ति को सरकारी एजेंसियों द्वारा कैद किए जाने का भय दिखाकर ● स्कैम से बाहर निकालने के नाम पर	2
				(vi) ● अपने बैंक खातों की गोपनीय जानकारी या ओ. टी. पी. किसी को न बताना ● अनजान लिंक पर क्लिक नहीं करना	2

				● पैसा कमाने के शॉर्टकट तरीकों से बचना ● किसी भी लालच में न आना ● हेल्पलाइन नंबर या ईमेल के जरिये शिकायत कराना (vii)● विवेक शक्ति को समाप्त करने हेतु ● भावनात्मक रूप से कमजोर करने हेतु ● मानसिक दबाव बना कर पैसे ऐंठने हेतु	2
2	**2**	**1**	**2**	अपठित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित: (i) (C) उन पर विश्वास जीवन में सकारात्मकता लाता है। (ii) (C) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की उचित व्याख्या करता है। (iii)(B) गणित, भौतिकी और अंग्रेज़ी उसके लिए कठिन विषय थे। (iv) भरोसा, कविता का केंद्रीय भाव भरोसे के बारे में है। (अन्य उपयुक्त उत्तर भी स्वीकार्य) (v) ● विश्व का बाज़ार के रूप में परिवर्तित हो जाना ● सब कुछ व्यावसायिकता में बदल जाना ● आत्मीयता की कमी ● स्वार्थ-प्रवृत्ति का बढ़ना (vi)● समय और भरोसे के साथ चीज़ों पर हमारा यकीन/निर्भरता और बढ़ जाना, जैसे कवि की टेबल/मेज़ से बढ़ती निकटता ● समय पर काम नहीं होने की घबराहट और परिणाम के प्रति चिंता में कमी, जैसे- कवि को अब परीक्षा-कक्ष या प्लेटफॉर्म पर रेल छूटने के दृश्य के सपने न आना	**8** 1 1 1 1 2 2
				खंड-ख (अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित)	**22**
3	**3**	**3**	**5**	प्रश्नों के अपेक्षित उत्तर : (क)	1

				• आर्थिक/कारोबार-व्यापार, **क्योंकि** 'कीमतों में उछाल' जैसी शब्दावली का प्रयोग व्यापार जगत (क्षेत्र विशेष) की तकनीकी शब्दावली (ख) • जनमत की अभिव्यक्ति • पाठकों का अपना कोना • अखबार के आलेखों पर राय • अपने मुद्दों की ओर ध्यान खींचना • अखबार से जुड़ाव और अपनी जगह से जुड़ाव • नए लेखकों के लिए लेखन की शुरुआत करने का अवसर (कोई दो बिंदु) (ग) • इंटरनेट की उपलब्धता बढ़ने से वेब पत्रकारिता की धूम • सभी अखबार और टेलीविज़न चैनलों की अपनी वेबसाइट • लिखित खबरों के पोर्टल्स/चैनल्स/विडियोज की भरमार (वर्तमान से जोड़ते हुए अन्य बिंदु भी स्वीकार्य)	2 2
4	**4**	**4**	**4**	किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में अपेक्षित:- (क) • फ्लैश या ब्रेकिंग न्यूज़ – तत्काल घटित महत्त्वपूर्ण घटना की सूचना कम से कम शब्दों में • ड्राई एंकर – दृश्य न मिलने तक रिपोर्टर से प्राप्त जानकारी एंकर द्वारा दर्शकों तक पहुँचाना • फोन इन – खबर का विस्तार और रिपोर्टर से फोन/वीडियो पर • एंकर - विजुअल – घटना के दृश्यों के आधार पर एंकर द्वारा घटना की प्रस्तुति • एंकर-बाइट – प्रत्यक्षदर्शी/संबंधित व्यक्तियों के कथन • लाइव – घटना स्थल से घटना का सीधा प्रसारण	**3 x 2 = 6**

				• एंकर पैकेज – दृश्य, बाइट और ग्राफिक्स के ज़रिए घटना की पूरी सूचना (कोई तीन) (ख) • छह ककारों को ध्यान में रखकर ही किसी घटना या समस्या से संबंधित खबर लिखा जाना (क्या, कौन, कब, कहाँ, कैसे और क्यों) • मुखड़ा-- क्या, कौन, कब और कहाँ के आधार पर मुख्य सूचनाएँ • बॉडी--कैसे और क्यों का विस्तार (ग) • खेलों में बढ़ती रुचि, दिलचस्पी • खेलों से जीवन में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार • खेल देश की संस्कृति का अंग • खेलों का उत्सव स्वरूप होना • खेलों में उज्ज्वल भविष्य	
5	**5**	**5**	**3**	**एक** विषय पर लगभग 100 शब्दों में रचनात्मक लेख:- विषय-वस्तु : 3 अंक भाषा : 1 अंक प्रस्तुति : 1 अंक	**5**
6	**6**			किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में अपेक्षित:- (क) • चरम उत्कर्ष/क्लाइमेक्स- कहानी का वह महत्त्वपूर्ण नाटकीय मोड़ जहाँ पाठक की जिज्ञासा/कौतूहल चरमसीमा पर हो। **क्यों:-** • कथानक को भावनात्मक ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए • कथानक में रुचि बनाए रखने और बढ़ाने के लिए • कहानी के प्रभाव को स्थापित करने के लिए	**3 x 2 = 6**

				• पाठक की जिज्ञासा और कौतूहल बनाए रखने के लिए (कोई दो बिंदु) (ख) **बिंब** –वह शब्द चित्र जो कल्पना द्वारा ऐन्द्रिय अनुभवों के आधार पर निर्मित होता है। जैसे – पंत – "तट पर बगुलों-सी वृद्धाएँ/विधवाएँ जप ध्यान में मगन/मंथर धारा में बहता/जिनका अदृश्य, गति अंतर-रोदन" दृश्य बिंब • काव्य की संवेदना से जुड़कर रसानुभूति कराना • अमूर्त भावों को बोधगम्य बनाना • काव्य में चित्र जैसी कलात्मकता लाना • काव्य-वस्तु के सम्प्रेषण का सशक्त माध्यम छंद – कविता की आंतरिक लय के लिए अनिवार्य तत्त्व, जैसे- "पुलकि सरीर सभा भए ठाढ़े, नीरज नयन नेह जल बाढ़े" • कविता में बाह्य अनुशासन हेतु • लय और गेयता हेतु • मानस पटल पर प्रभावी स्थायी छाप अन्य उपयुक्त उदाहरण भी स्वीकार्य (ग) • दृश्य काव्य होने के कारण साहित्य की अन्य विधाओं से बिल्कुल अलग • साहित्य की अन्य विधाएँ लिखित रूप में ही पूर्णता प्राप्त कर लेती हैं पर नाटक की अंतिम परिणति मंचन में ही निहित • पढ़ने, सुनने के साथ देखने के तत्त्वों को समेटने वाली विधा (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)	
		6		(क) • **केन्द्रीय बिंदु** – **कथानक/कथावस्तु**। प्रारंभ से अंत तक कहानी की सभी घटनाओं और पात्रों की संक्षिप्त रूपरेखा **ध्यान रखने योग्य बातें:-**	

			6	• कहानी का प्रारंभिक नक्शा या कथानक की रूपरेखा बनाना • कथानक में प्रारंभ, अंत और मध्य के साथ द्वंद्व की रचना • कथानक के अनुसार संवाद और पात्रों की सर्जना • क्लाइमेक्स पर विशेष ध्यान (ख) स्वतंत्र उपयुक्त उत्तर स्वीकार्य (ग) • प्रभावपूर्ण कथानक • समय-सीमा • क्रियात्मक, दृश्यात्मक संवाद • देश, काल और वातावरण • रंगमंचीयता और अभिनेयता • नायक , प्रतिनायक की उपस्थिति से उत्पन्न द्वंद्व और टकराहट (क) • पात्र कहानी का जीवंत तत्त्व • कहानी पात्रों पर निर्भर • पात्रों से ही घटनाक्रम का विकास (प्रश्न के दूसरे भाग के लिए स्वतंत्र उत्तर) जैसे – 'संवदिया' कहानी में हरगोबिन मुख्य पात्र, कहानी के प्रत्येक घटनाक्रम में मौजूद, उसके भीतर की कोमलता और संवेदनशीलता की प्रभावशाली प्रस्तुति (ख) **क्या** :-रंगमंच **क्यों**:- • रंगमंच प्रतिरोध का सशक्त माध्यम • अस्वीकार और टकराहट के मंचन का प्रभावी माध्यम • मंच पर सफल प्रस्तुति के बाद ही नाटक की पूर्णता (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)	

				(ग) ● शब्दों से मेलजोल/ खेलना कविता की पहली शर्त ● शब्द भावों को आकार देने का माध्यम ● तुकबंदी के प्रयास से रचनात्मक विकास ● शब्दों के साथ खेलने से उनके भीतर छिपे अर्थ के नए-नए आयामों का खुलना **उदाहरण:-** अगर कहीं मैं तोता होता तोता होता तो क्या होता ? तोता होता ! यहाँ 'तोता' का एक सांस्कृतिक और व्यंग्यार्थ है, उसी से अर्थ में गूढ़ता है, ध्वनि 'ता' के दुहराव से कविता सुनने में अलग लगती है। (अन्य स्वतंत्र उदाहरण भी स्वीकार्य)	
				खंड-ग **(पाठ्यपुस्तक अंतरा, अंतराल पर आधारित)**	
7	**7**	**10**	**7**	पठित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उपयुक्त विकल्प : (i) (B) केवल I और II (ii) (A) प्राकृतिक और सांस्कृतिक (iii)(A) अनजान लोगों को भी सहारा मिलना (iv)(C) कथन सही है और कारण, कथन की उचित व्याख्या करता है। (v)(C) सूर्य रूपी घड़ा	**1 x 5 = 5**
8	**8**			काव्य खंड पर आधारित किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में अपेक्षित :- (क) कवि पिता की मन: स्थिति : ● शोक-संतप्त ● स्मृति-विलाप ● सत्कर्मों द्वारा तर्पण ● कुछ न कर पाने का पश्चाताप	**2 x 2 = 4**

				• स्वयं को भाग्यहीन मानना • कर्म पर वज्रपात जैसी आशंका • दुख की कथा मन में ही रखते हुए विह्वल (कोई दो बिंदु अपेक्षित) (ख) • जीवन की क्षणभंगुरता • प्रत्येक क्षण का महत्त्व • विराट में समाहित छोटा कण भी स्वतंत्र रूप से महत्त्वपूर्ण • समुद्र से अलग हुई एक बूँद के रूप में व्यक्ति का स्वतंत्र अस्तित्व (कोई दो बिंदु अपेक्षित) (ग) • नायिका के दुःख से तदानुभूति न होने के कारण लोग इस बात पर यकीन नहीं करेंगे कि पीड़ा हरने वाला भी पीड़ा दे सकता है। **दुख का कारण:-** • कृष्ण का गोकुल से मथुरा जाना • नायिका का मन भी कृष्ण के साथ ही चले जाना • कृष्ण द्वारा सुध न लेना	
		11		(क) • हवा में गरमाहट • पत्ते झड़ना, सूखकर चरमराना • चिड़ियों की कुहुक सुनाई देना • वृक्षों में कोंपलें फूटना • आम पर बौर आना • ढाक/टेसू/पलाश के फूल खिलना • कोयल का कूकना	

				• भौंरे का गुँजार करना (कोई दो बिंदु अपेक्षित) (ख) • भाई के प्रति अगाध प्रेम और श्रद्धा • त्याग की भावना • अन्य को दोष न देकर सभी अनर्थों का मूल स्वयं को मानना • राम को वापस अयोध्या लाने के लिए अनुनय-विनय करना (ग) • सागर – समाज (समष्टि) • बूँद – व्यक्ति (व्यष्टि) **बूँद का महत्त्व** – • जीवन की क्षणभंगुरता • प्रत्येक क्षण का महत्त्व • छोटा कण भी स्वतंत्र रूप से महत्त्वपूर्ण • समुद्र से अलग हुई एक बूँद के रूप में व्यक्ति का स्वतंत्र अस्तित्व (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	
			8	(क) • भरत की माता कैकेयी द्वारा दशरथ से भरत के लिए राजगद्दी और राम के लिए वनवास माँगना • परिणामस्वरूप राजा दशरथ की मृत्यु, माताओं का वैधव्य, अयोध्यावासियों का दशरथ, राम, सीता और लक्ष्मण से वियोग (ख) **भाग्यहीन क्यों:-** • अभावों और संघर्षों से भरा जीवन • पत्नी और पुत्री की असामयिक मृत्यु • कुछ न कर पाने की विवशता **संबल** – पुत्री सरोज	

				(ग) ● 'तोड़ो' के माध्यम से नवनिर्माण की प्रेरणा ● तोड़ो के मूल में ही सृजन ● सृजन के लिए मन की ऊब, खीझ और जड़ता को तोड़ना ● समाज में व्याप्त रूढ़ियों और कुरीतियों को दूर करना	
9	**9**	**12**	**9**	किसी **एक** काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या : संदर्भ : 1 अंक (कवि और कविता का नाम) प्रसंग : 1 अंक (पूर्वापर संबंध) व्याख्या : 3 अंक विशेष : 1 अंक (क) कवि: केदारनाथ सिंह कविता : बनारस **अथवा** (ख) कवि: मलिक मुहम्मद जायसी कविता : बारहमासा	**6**
10	**10**	**7**	**10**	पठित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर : (i)(C) देवर लोग हर बार आकर साथ ले जाने की जिद करते हैं। (ii)(A) सत्य को छिपाने की दुविधा और अपराध बोध के कारण। (iii)(B) कथन सही है, परंतु कारण ग़लत है। (iv)(B) केवल I सही है। (v)(B) वह कोई चिंता- फिक्र नहीं करता।	**1 x 5 = 5**
11	**11**			गद्य खंड पर आधारित किन्हीं **दो** प्रश्नों उत्तर लगभग 40 शब्दों में अपेक्षित : (क) ● गांधी की सादगी और सहजता ● उनकी सेवा सुश्रूषा ● समय की पाबन्दी	**2 x 2 = 4**

		8		• विनम्रता और दयाभाव • उदारता (ख) स्वतंत्र उपयुक्त उत्तर : क्यों के लिए विस्तार आवश्यक (ग) • समभाव • निर्विकार और तटस्थ • सुख में अभिमान न करना और दुःख में साहस न छोड़ना • प्रिय-अप्रिय अवस्थाओं को हृदय से अपराजित होकर सोल्लास ग्रहण करना (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) (क) **कारण** – • सद्यस्नात नवयुवती के प्रति आकर्षण • उससे दूरी/व्यवधान • उससे फिर मिलने की अनिश्चितता • मन में प्रेम का अंकुरण **अवस्था:-** अनमना सा होना, पस्त कदमों से घर वापस, थैला पटक देना , भूख न होने की बात कहना, झुँझलाना, पुनः मिलने की बेचैनी (ख) घड़ीसाजी के कौशल को आगे न बढ़ने देना अर्थातलोगों को धर्म की बारीकियों से दूर रखना **दुष्परिणाम:-** • अन्धविश्वास और रूढ़ियों को बढ़ावा • जीवन के महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों पर मठाधीशों का एकाधिकार (ग) चार हाथ	

			11	• पूँजीपतियों द्वारा मजदूरों को पंगु बनाना • कम मजदूरी देकर उनका आर्थिक शोषण • चार हाथ लगाने जैसे अमानवीय निर्णय मजदूरों पर थोपना (क) • रईस अंदाज – होली, वसंत पंचमी इत्यादि अवसरों पर नाच-रंग और उत्सव • अदाओं से रियासत और तबीयतदारी टपकना • लड़के का पान की तश्तरी लेकर पीछे-पीछे दौड़ना • लैम्प का भभकने पर भी नहीं बुझाना, नौकर को पुकारना (ख) • प्रतिकूल परिस्थिति में भी अपराजित • धधकती लू में भी हरा-भरा • कठोर पाषाण की कारा से भी रस खींच लाना • सूने गिरि प्रांतर में भी प्रसन्न/पुलकित • जीवनी शक्ति से ओत-प्रोत (कोई दो बिंदु) (ग) • पूजा-सामग्री बेचकर • गंगा में फेंके सिक्के बटोर कर • पूजा-पाठ, आरती करवाकर • खुले-पैसे या रेज़गारी बेचकर	
12	**12**	**9**	**12**	गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या (कोई एक) : संदर्भ : 1 अंक (पाठ तथा लेखक का नाम) प्रसंग : 1 अंक (पूर्वापर संबंध) व्याख्या : 3 अंक विशेष : 1 अंक (क) लेखक : निर्मल वर्मा पाठ: जहाँ कोई वापसी नहीं	**6**

				अथवा (ख) लेखक: रामचंद्र शुक्ल पाठ: प्रेमघन की छाया-स्मृति	
13	**13**			पूरक पाठ्य पर आधारित किन्हीं **दो** प्रश्नों के अपेक्षित उत्तर : (क) ● लज्जा और शर्म की बात (क्योंकि वह एक अंधा भिखारी था)। **मानसिकता:-** ● समाज की समझ में भिखारी के पास इतने रुपये क्यों होने चाहिए ? अमीर भिखारी की कोई अवधारणा नहीं, अगर भिखारी है तो धन कैसे ? **सोच:-** स्वतंत्र उत्तर स्वीकार्य (सहमति/असहमति तर्क के साथ) (ख) ● नर्मदा, शिप्रा, चंबल, चोरल, पार्वती, कालीसिंध, गंभीर **दशा:-** ● बारहमासी नदियाँ चौमासी नदियों में बदलना ● नदियों का छिछली और मटमैली हो जाना ● नदियों का गंदे नालों में परिवर्तित होना **कारण:-** ● जगह-जगह कंक्रीट के राक्षसी बाँध बनना ● बढ़ता औद्योगीकरण ● निरंतर बढ़ता प्रदूषण ● नदियों के प्रति लोगों की आस्था में कमी (ग) ● अल्पावस्था में ही छोटे भाई का जन्म होने से दूध कटहा हो जाना अर्थात माँ के दूध से वंचित होना **परिणाम:-** ● माँ से दूरी	**5 x 2 = 10**

		13		• कसेरिन दाई पर निर्भरता • गाय का बेस्वाद दूध पीने की विवशता • आँचल में छुप कर खेलने से वंचित **भाव और क्यों :-** स्वतन्त्र उपयुक्त अभिव्यक्ति स्वीकार्य (क) • खाऊ उजाडू सभ्यता अर्थात विनाश की अपसभ्यता **क्यों:-** • औद्योगीकरण से बढ़ता प्रदूषण • पारिस्थितिकीय असंतुलन • हानिकारक गैसों का उत्सर्जन • पर्यावरण की उपेक्षा आदि **राय:-** स्वतन्त्र उपयुक्त अभिव्यक्ति स्वीकार्य (ख) **वर्षा का चित्रण:-** • वर्षा का सीधे एकाएक न आना • बादलों का घिरना-गड़गड़ाना • दिन में रात जैसा वातावरण • तबला, मृदंग और सितार जैसा संगीत • घोड़ों की टापों जैसी आवाज़ के साथ बारिश **कठिनाइयाँ:-** • बारिश में आँधी से छप्पर आदि का उड़ जाना • बारिश के बाद बदबू, कीचड़ • जलावन की समस्या • कीड़े मकोड़ों का निकलना	

				लेखक भावुकता से याद करता है क्योंकि बचपन की स्मृतियाँ मोहक होती हैं, खींचती हैं। (स्वतंत्र उत्तर भी स्वीकार्य) (ग) द्वेष-ईर्ष्या, प्रतिशोध के कारण **उचित मानने के कारण:-** ● सूरदास और सुभागी के प्रसंग के कारण गाँव में हुई बदनामी का बदला लेने के कारण **भैरों के साथ व्यवहार कैसा और क्यों:-** स्वतन्त्र उपयुक्त अभिव्यक्ति स्वीकार्य	
			13	(क) ● मंदिर के पिछवाड़े अमरूद के बाग में छिपकर **क्यों:-** भैरों की मार-पिटाई से बचने के लिए सुभागी का सूरदास की झोपड़ी में आना, भैरों द्वारा इसे अपनी बदनामी मानना, प्रतिशोध में भैरों का सूरदास की झोंपड़ी जलाने का अपराध-बोध **सामाजिक कारण** – पितृसत्तात्मक समाज में पत्नी/स्त्री की दयनीय दशा (ख) **परंपरा:-** ● तालाब, बावड़ी, कुएँ, नदी, नाले आदि की देखभाल के ● भोज, मुंज और विक्रमादित्य के समय से ही बरसात के पानी को रोककर रखने का ज्ञान **चूक:-** ● आधुनिक इंजीनियरों द्वारा परम्परागत प्रणाली और ज्ञान की अपेक्षा स्वयं को श्रेष्ठ समझना ● नदियों पर बांध बनाना ● तालाबों को पाटना ● भूमिगत जल का अत्यधिक दोहन **कारण** –	

				परंपरागत ज्ञान को व्यर्थ मानना, आधुनिक विज्ञान की तुलना में उसकी अवहेलना (ग) **विशेषताएँ:-** ● प्राकृतिक परिवेश से घिरा ● ऋतुओं के अनुकूल वनस्पतियों, फूलों, फलों, सब्जियों की बहुतायत ● लोगों के आपसी संबंध, मनुष्यों का अन्य जीव-जंतुओं से अत्यधिक जुड़ाव (अन्य बिंदु भी स्वीकार्य) **कारण:-** उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर स्वीकार्य	